

फागण का नज़ारा है भजन लिरिक्स



फागण का नज़ारा है,

दोहा – हवाओं में अजब सा,
रंग छा गया है,
लगता है यारों,
फागण का मेला आ गया है।

फागण का नज़ारा है,
आयी है खाटु से चिट्ठियाँ,
श्याम बाबा ने पुकारा है।

ये भी देखे – [तेरे बगैर फागण मजा न देगा।](#)

हमने सुना है फागण में,
मेला लगता है भारी,
दूर दूर तक है चर्चा,
मेले की महिमा न्यारी,
जो एक बर जाता है,
आता तो है लेकिन,
दिल हार के आता है।

लाखों लाखों निशान लिए,
चलते हैं सब मतवारे,
सारे रस्ते गुँजते हैं,
श्याम नाम के जयकारे,
सुन सुन के उछलता है,
प्रेमी से मिलने को,
ये खुद भी मचलता है।

‘राज’ उसे जब प्रेमी की,
यादें बहुत सताती हैं,
मोड़ता है रुख बादल का,
और फागण रुत आती है,
फागण के बहाने से,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के सुनने के लिए मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करें। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



फागण का नज़ारा है,
आयी है खाटु से चिट्ठियाँ,
श्याम बाबा ने पुकारा है।bd।

Singer – Raj Pareek